B- IV
L-30
Economy

डीमेट (Demat)

वह प्रक्रिया जिसके माध्यम से इक्विटी आदि के भौतिक आस्तित्व को समाप्त करके उन्हें इलेक्ट्रोनिक रूप में बदलता जा सकता है।

डीमेट से इक्विटी आदि को रखना तथा उनका लेन देन करना आसान हो जाता है।

(A)

1 WIPRO ⟶ 100

2. RIL ⟶ 20

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

Depository (निक्षेपनिधि) :-

डीमेट करने वाली संस्थाओं को निक्षेपनिधि (Depository) कहते हैं।

वर्तमान में भारत के इक्विटी बाजार में निम्न दो संस्थाएँ Depository की तरह कार्य कर रही है-

(i) NSDL : National Securities Depository Ltd.

(ii) CDSL :- Central Depository Services Ltd

Scanned by CamScanner

Speculation (सट्टा) :-

यह वह प्रक्रिया होती है जिसके अंतर्गत लोग इक्विटी आदि की कीमत में भविष्य में होने वाले परिवर्तनों से लाभ उठाने के लिए वर्तमान में लेन देन करते हैं।

जो लोग सट्टा करते हैं उन्हे सटोरिया/सट्टेबाज कहते हैं ये मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं-

(i) तेजड़िया (Bulls) } PT. UPSC
(ii) मंदड़िया (Bears) }

तेजड़िया (Bulls) :-

ऐसे लोग जो भविष्य में तेजी का अनुमान लगाते हैं और वर्तमान में इक्विटी आदि को खरीदने का काम करते हैं, वे तेजड़िया होते हैं।

मंदड़िया : (Bears) :-

वे लोग जो भविष्य में मंदी का अनुमान लगाते हैं और वर्तमान में बेचने का सौदा करते हैं, वे मंदड़िया होते हैं।

Short Sellers :-

वे लोग जो Short-Selling करते हैं अर्थात इक्विटी आदि नही होते हुए भी उसे आग्रिम रूप से बेंच देते हैं, हालांकि उन्हे संबंधित इक्विटी

Scanned by CamScanner

को खरीदना पड़ता है।

Note :-

अडानी इंटरप्राइजेज के FPO के मामले में चर्चित अमेरिकन संस्था Hindenburg एक Short-Seller फर्म के रूप में विख्यात है।

Technically Short-Sellers भी मंदड़िया होते हैं क्योंकि वे किसी इक्विटी के मूल्य का गिरने का अनुमान लगाते हैं।

Stags :-

ऐसे सटोरिया जो किसी कंपनी के IPO/FPO में येसोच के भागीदारी करते हैं Listing के दिन या उसके बाद में संबंधित इक्विटी की कीमत बढ़ जायेगी।

Listing वह प्रक्रिया होती है जिसके माध्यम से IPO/FPO में जारी की गई इक्विटी के शेयर बाजार पर लेन-देन को शुरू किया जाता है।

इसके विपरीत Delisting के अन्तर्गत संबंधित कंपनी के नाम को List से हटा दिया जाता है ताकि उसका लेन-देन न हो सके।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform

Scanned by CamScanner

Arbitrage :-

वह प्रक्रिया जिसके माध्यम से लोग अलग-अलग बाजारों में पाए जाने कीमत अन्तरों से लाभ उठाने की कोशिश करते हैं

उपर्युक्त सन्दर्भ में वे कम कीमत वाले बाजार से इक्विटी, वस्तु का क्रय करते हैं और उन्हे ऊंची कीमत वाले बाजार में बेंच देते हैं।

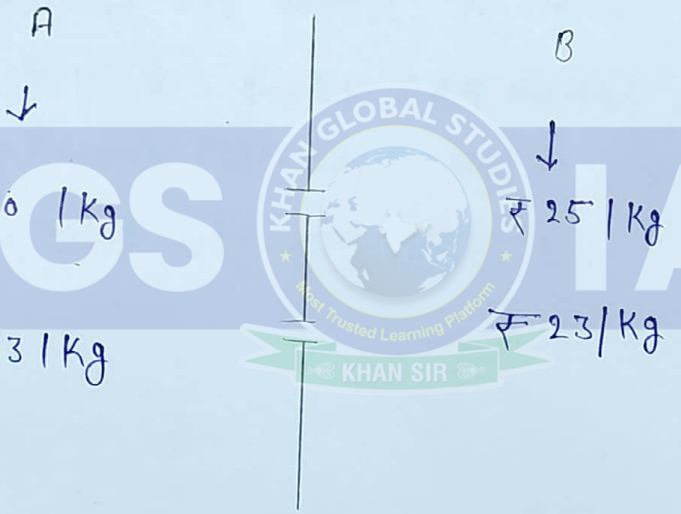

(Interest Rate) Arbitrage :-

यह वह प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत लोगों द्वारा अलग-अलग राष्ट्रों में ब्याज दरों में पाए जाने वाले अन्तरों से लाभ उठाने की कोशिश की जा सकती है। इसे निम्न प्रकार दिखाया जा सकता है।

Scanned by CamScanner

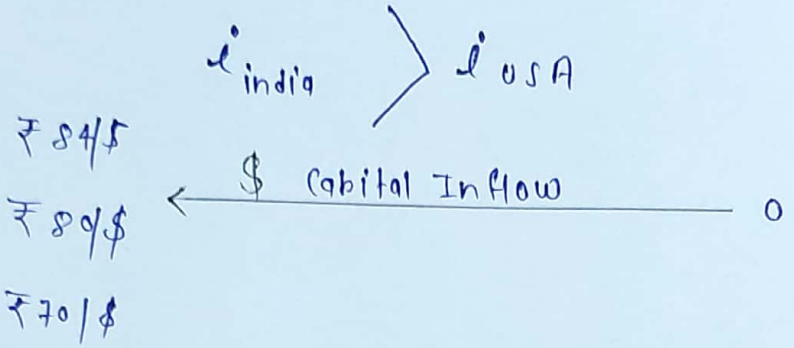

ध्यान देने योग्य है कि कई बार अमेरिका जैसे राष्ट्र इस प्रक्रिया का दुरूपयोग करके (Currency manipulation) करते हैं ताकि उन्हे व्यापार में फायदा मिल सके इसके लिए वे Dovish (कम ब्याजदर) और expansionary (विस्तारक अर्थात तरलता का विस्तार) मौद्रिक नीति को लागू करते हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Scanned by CamScanner